



46

गुरुत्वात्तु यथा त्वं ह्यमान कथं लिखितुं वनजालिक
 तमहिमं तुल्यं अमलसंज्ञकं ३ इव वरु ३ यमदिकं नमो ह्यु
 कल्लं हं विनि ६ धूमिमालसि ज्ञामध्यागमाहला ६ ॥ ६ ॥

(नखासर्वेन धागता गुधगन्धधरायना धागु नाष्टी वहासनमाम उदिकन नासंसा नदा प्रगु
 : अष्टधं वनवृद्धा कसमसंन संसाधनं कलता ना ना वधन धागता दिनव ना दहनं धाक ध्वनं

नमस्तुते

६ नमः ४ यमनृत्तप्रवाय ॥ ३ ॥ इत्यवका तुल्यं तुं हन दोषमिर
 कनका मनुष्यं सायं दिक्का वा उय कति यनिरुवं ल्यस का वा ॥
 लर्मा मर्कत लील ड ह दाम वनि सन सनित्ता मर्न नां उर्ववा ह क नृत्त
 यया द न व रु रु गा व क ४ यमनृत्त ध्वन ॥ अयि व ॥ या सा संसा न व
 का विन व य कि म न ४ स न्नि या गा त ह ता सा धी य स्य य सा दा द्वि धा नि नि
 ऊरु वं खा नि ना नि धा य के ॥ त म य ल्या ता वे रं समु द य नि सू र्वं का ल्य ना ॥

ज्ञानमूर्तं कथं कथाधिपमं मित्रमित्रविनयं मनुनं सर्वकारं गाययिव
 यथा चैकजकाटिकाटिविठनयमयनित्यात्तावे४ यथा कसमधूनननः
 याछानिरुतिनिदिया४ यामिहानलवायवाधनकनीक्षिनस्यविसनन
 यक्षकिमनि४ सयाकुरुगवान्धीयमनृथधनस्याडनम४ धीयमनृथ
 धनाय२॥ डनम४ धीयवकुसमधनायन ॥ ६०३ ॥ ॥ ॥ नगमधमनगावकु
 मयस्यमिदिवधधमधुनमदनिवजिरन वकुवधध २ सकलसायः

विधि

ननुमिवासिकमानसयनसंज्ञासकवंग ॥ १ ॥ ससनि२ हं हं हं हं गृह २
 हं हं हं हं गृहायय२ हं हं हं हं २ आनयहातगावनविद्यागाऊ हं हं हं हं
 य२ अलिङ्गदलन ॥ २ ॥ हाहकनाजियविनितडदिय वकुयाका
 नहं हं वं हं २ अयुदिगामावयनायनल सर्ववृक्षनखभुन ॥ ३ ॥
 गगाननीनावधु वधवनीमविनामयवकुवीमानहं हं हं २ वकुयज
 वहं हं हं कविनाग्निवकुसुनजाववांसंवां ॥ ४ ॥ वीठकिमभु

मयस्यमि

प्रलायाविनश्चनसर्वसत्त्वहृदययुग्मादकनश्चतगुन् आहुतामिश्रगकधमि
 या रानयिलोलावज्जुमिश्राधनन ॥ ॐ ॥ १८ वागमहदि ॥ हाउ
 आरुलनकीयायिलसम्भनधनयिकवालिलरुसा १ गुक्ता अदकमादियाम
 सानमकुठकमादीगमन ॥ ५ ॥ नननमानुहसंघनलाया समनसुदयि
 मानुकोना १ हमाविनाहिनि वज्जवानाहि हउमहियामानुसा ॥ ॥
 मालिसायन वनधुहमयन कथुलरुनयिकवाना १ वागमनिवावर्धवदिया

नञ्जाजमानुमधुनरुवलिना ॥ ॥ शिर्यधुदयठेहृद्यदिलानसम्भनय
 यिसहयिधुनरुक्ताना १ हमाविनाहिनि वज्जवानाहि रुक्ताविनुदयमिश्र
 दाना ॥ ॥ वावक्किलिवावज्जु कलियाडला सकगुन् वनन आवाध १ स
 मया आनहृदनिगानमधुल सम्भनवज्जवानाही ॥ ॐ ॥ १९ वागमि ॥
 समाधनधलद्वनधनाधन १ धानयधाय वक्किसिधं ॥ ॥ सदमदव
 रुक्तासमय १ रुक्तावागमदीनव १ न १ ल ॥ ॥ वनवज्जवानस

विश्वनाथ

पद्मभिरा विष्णु

८ नमस्तिभ्यो

८५३ दिग्गार्धन १०

व॥ ॥ यद्विमादिगार्धन काला कल साखान दवी वृद्धा यनि गज वाहन
 त्व॥ ॥ दक्षिणदिगार्धन कर्ण कर्णिये न साखान दवी वा वाहि माहि रवास
 नी त्व॥ ॥ अग्रकान प्रदृष्ट सा ससाखान दवी कामात्रि मयू वास निरु व
 ॥ ॥ नेमृत्वा कन वस्त्रि वक्त म्म साखान दवी वेरु विगत्रु ज सनी ॥ ॥ वायू
 यकान धाद्र कान म्म साखान दवी वा मू अय ना सनि ॥ ॥ ॥ नमन कन कि
 लि किलाल म्म साखान दविम हा न कि सिंहा सनी त्व॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अकार पंक्त ॥

रनाग रनवा वा अं का न स जा न यि ह व स वृद्ध मित्रि मया दय अग्नि ना रा त्व
 वा श्व क्ता यनी यी ना वा स की ना गा वरु ग य सी व न धूर्ति त ज व दा ॥ ॥ ॥
 डं ग म य कि क्र माल म हा काल कृ याल या गी जा गि नी रा स श म य मां स म
 त्वा र्यं य वि ध शू क न गृ कृ त्वा द दृ यि व कृ त्वा य म्म वा य व र्ग जा क न दी न ट व न
 द यी य व या द पु व द स न वा श्व द्वा य नी धृ ता क क ना गा ग हा न म वा द
 पू र्ति त ज ल दा ॥ ॥ ॥ म व र्ग जा क वि हा व द वृ त्त गृ त्त क या द य नृ नृ

नवाश्वायनीकृष्णमाकर्षकनागा कालाक्रवा नादिनजलदा॥
ववर्गजात यवर्गसमने वृत्तयादय कथीत तेनवाश्वा नादिनका यमशुभ
गा कर्नक तेनवा वलजलदा॥ ॥ कवर्गजात वृत्तयादय कर्दवया
दय काधर्त नवाश्वा मावीनका महायमा अदृष्ट हा सा यवशुभलदा॥
॥ नवर्गजात माहदिसिज यकाटियादय डमन तेनवा श्वेदवीग्या
मा अनकनागा लक्ष्मीव नरुता सनयूलनजलनदा॥ ॥ यवर्गजात

मूचगृहवाक अङ्गनयादय सहाव तेनवा श्वामुञ्जानका कृवीकनागा योः
वाधकाला वरुका जलदा॥ ॥ मवर्गजात अनय रूमाने वटयादय
सीधत तेनवा श्वमहालक्ष्मीवता मयया ननागा किलिकिलिगावा वर्यसज
लदा॥ ॥ तेनव कालियादय हनना द्वादशनवना आवीरुव नरुता श्व
दवदने नवीक नवदने नमामिह वृकावस ५५ यहनसं ॥ ८८३३३३ ॥
८ नागवद्वेता ॥ कृवीज संकुत धवन वरुता श्ववद्वेता म महाकाध

ॐ
विजयं

राजा ॥ ॥ तं ता हं १ तं ता तं क हं ॥ १ ॥ लाहित वल्लु कं वीज संजात
 १ का ला मा वि महाकाध नाजा ॥ २ ॥ अतिवेन वय महाकाध नाजा २ मं
 वीज संकुत महातीन वल्लु ॥ ३ ॥ वका न संजात महावीन नाम २ अतिरु रु
 वल्लु महाकाध नाजा ॥ ७ ॥ अय नाजिन नाम महाकाट नाजा २ वं वीज संकु
 त अरु न वल्लु ॥ ८ ॥ अका न संजात अतितीन वल्लु २ सैव रूक नाम महाकाध
 नाजा ॥ ९ ॥ यमा न क नाम महाकाट नाजा २ उ वीज संजात मतितीन वल्लु ॥

॥ संवीज संकुत काकन वल्लु २ कलिकिलि नाम महाकाध नाजा ॥ ८ ॥
 महाकलिकिलि उ वीज संजात २ यना स वल्लु अतिकाध नाजा ॥ ९ ॥ ॥ ॥
 नाशका माद रं न वी ॥ प्रियगी ड नाथ किया आशि न विद्यति २ गह सध रुवन
 हन हिनि म् ॥ १० ॥ ॥ अति कं ड नाजा नय य अधुना २ ह मन दि वा य सा मिक
 ना मि ॥ ११ ॥ ॥ अ व व न य न मति किं मा किं २ अह काट आ य रु द न क नामि
 ॥ १२ ॥ ॥ य न य ज न नाजा अरु क नू मा मय २ ह म रु ज दि द मु अ सि व ह ह स ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 समिन्नाथक उवाच ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 गदा नागा गदा नंकायुत्री ॥ ३ ॥
 लक्ष्मिने नवविद्यक रमणी ॥ ४ ॥
 वनाथ वक्रवर्मा वला ॥ ५ ॥
 रुक्माधरा ॥ ६ ॥

धनीया ॥ ७ ॥
 डंरवक्रवर्मा ॥ ८ ॥
 धान अलीयविद्यसमरुध ॥ ९ ॥
 याय हन ॥ १० ॥
 वक्रवर्मा ॥ ११ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

उपनिषद् १०१

नैव वलमानशब्दकीलशरीर ॥ अर्द्धसूक्ष्मजकाधश्रुतिनीलमूलनित्या
 मानवासितमालहलनंशयथिविस्मयगतासयनागादिपुत्रनीमानशनेकीलय
 की ॥ ॥ दहदिहदाहहकानानयनमाभिदममहाकोधानशशायायनीयून
 नदानयतिनमानविघ्ननीवानुना ॥ ६७३ ॥ एनागामधूमनसयमूदितादिद
 मरुमीसूयनीसनमानमधुनसस्त्रिकनयनादादमरुजवनवदनसूमाशिता
 तजवानाहिकधुआनीगता ॥ ॥ ॥ ३ दहदिहहनेमानसयलसंवाधि

यान २ ददा आनिंगानप्रदयस्वसावनायिदानगीसंवनमाया ॥ यम ॥ द
 लिसद्यधगाजत्रमोविधुलाकनमिउमनूयुतसारिता २ मर्कयूनिककयाव
 यदाकेयासयनधुवममिनयहगा ॥ ॥ यमजिनवलमकटआलकमा
 यउमदाहनमविहमीता २ आलिकालिद्रयिआलिटवाययिआद्यवमनिवा
 मनककनन ॥ ॥ नलमिलमालआलमधीसमनदिशवश्रुतिनिकनूध
 हिया २ ऊगाजममानुगुहयायमनतामावन्नियनमादिवजगीता ॥ ६७३ ॥

८०५३१२७

एवागस्त्येन विनामश्च मनुसहामनिकनकयाजितयूव्वीदहजम्वदीयश्चयनला
 जयनिडरुनकावुरुवनयश्चवर्षयश्चजिनयायिआनवा ॥ नमयश्चवर्षयि
 यश्चजिनं विद्यहिरविश्वरुगयश्चमूनमिश्चयूदीयाननावहकिजिनमानसाह
 ननुहयतिमिलयनघाललूल ॥ ॥ जाकवदनयायाडयनाडयद्विययनिज
 कुधानश्चमनलाडयदीयनडदिगुरुवनवाडयद्वियगीरुधुयनगुन ॥ ॥
 दिनदवनयात्रियननवृषिवयात्रियसकशुष्मादनवृषियात्रश्चवललाडदि

ਅਨਿਨਾ

[illegible]

अमरनाथ

कं सप्तसंख्याधिकतल्लनमृत्युयं ॥ ॥ वद्यमृकनसवाधिरुलदायकं सप्तजिः
 नथाधिकसहजकलर्गं २ जगत्तल्लनधकं ॥ वद्यकमृल्लनवसंसावनामनविन
 द्यनृयं ॥ ॥ वद्ययवमानुमयगभ्रं वसंयुक्तं ॥ वद्यल्लनधकं ॥ वद्ययुक्तं ॥
 कालमन्त्रयुक्तयुक्तवद्वज्रसंख्याधिकतल्लनधकं ॥ ॥ वद्यमृकनसवाधिरुलदायकं
 कयनृयसावन आकृष्टमदाकिनीजलनृयं २ गठिकि साधननदवतावकल
 नसत्त्वमानोयद्वीजकलर्गं ॥ ॥ वद्यमृकनसवाधिरुलदायकं ॥ वद्ययुक्तं ॥

नेक वृत्तिनि गाय

वृत्तवर्गविमलकलसं २ महावागदवी ह्यवाधिविलुप्यसमयसत्त्वकी ह
 र्त्तं ॥ २५०३३५ ॥ आगनामनामकवममिनिनायसुदमि २ अममदसुअयह
 नमकिनह २ ॥ ५ ॥ अमदवीवानुमासमकीदवी २ अममयमादिनमय
 नसूनामा ॥ आगमवदयलाननयान २ आगधमीदि दामुनूडयामा
 ॥ यमवृद्धनयअहुमा २ सयालआमिनिमा अहनुवदहहनुव ॥
 ॥ सतगुनवमसिल्यगतधलिया २ ननयिवाकवदसनासुनयि ॥ २५०३३५

नेमहं २०

रवागमधननेनविमानमहं अकालनयधनु २ अमविसलडनाधनु ॥ ५
 ॥ ननाहं २ ननातकहं २ नना ॥ यम ॥ अहंदा अलिहंदायागधनु २ वदयधम
 दाधनु ॥ धवलससंखनदहधनु २ सनदगुल्लहियवदमनु ॥
 ॥ मायादहलीनअंगु २ साहियकनुमसलमहं ॥ २५०३३५ ॥ आगका माय
 ननवि ॥ अहंवी आहव रवममदलनवममदलिनमनयकमधमा २ दादसुअजोवदना
 दादसवहुन नकनगं ॥ ५ ॥ नमामिधिविचकधनु २ मानरुयहयहनगं ॥

२ कवि

57

॥ गंगादेवता स्वर्गपिठम् मञ्जुनाथिवनयायि ॥
लिङ्गप्रणय दृष्टवर्तितथा ॥
वनया ॥ प्रमत्तयन्त्र न भालिङ्गः ॥ तद्विरचिता ज्ञानया ॥ पश्येन कृष्णक
नक्तं शुद्धाद्यनमूनयिनिर्गन्तुं शुभावादावि तदिङ्गसनापनयायि ॥



सुवेनिगंजन २३

रनागममलिना नानासाधनासु निर्वर्तनयनमयकुशुभमायसंहावृक्षावहविषयसं
 हावदानानासिमयिजावृक्षा ॥ ॥ नउत्तावननिर्वर्तनतदिनरुसासहासुहवर्क २
 आसावयिमनसावतयिमायवसाहयिकर्क ॥ ॥ गुरुमनुमकुविवर्कयिनाम
 विद्वनविकर्क २ नरुसायवमहासुहानारुडिनविकर्क ॥ ॥ किमयदिविद्वसंहा
 वदोमिनितावयिमनसावृक्षानिर्वर्तनयनमयकुशुभमायसंहावृक्षावहविषयसं
 किमऊनेमायवद्वसहिनासावृक्षानिर्वर्तनमिद्वृक्षमिसामलवद्वज्जलनयसंहावृ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

खट्वा ॥ १०२ ॥ गानागल्लितगातात्रयविलुप्तकाद्यानहंवीजसंज्ञाताननी
लवङ्गवन्धियूलिलयीषमूंश्वकुक्यालादिवीरंयवअशासंपूठनीलवर्ण्यउत्तर
आतिष्ठारिताया ध्रुवानमनाथकुम्भजिनकुम्भजिनकुवनश्चन्द्रमादिराहितिरवा
क्षेत्रकर्मसांगायककाश्रुकानरववन्मृत्कामनूययीषणासावञ्जकशीदियोनर
नुनावत्यादिसंयागनकात्यावदवाह्वजघ्नस्तवडाऊमनूधाविताया वकायव
काडंरावमुक्तकुरुवद्धथयेतयूरीमहावलादि २३ कवेगमयालिमिबगुक्तांगुवड

एवमेतिदिदिदि २२

[illegible]

(विद्वान्)

वक्रिहयवधनमहाकाधवदनं॥ अ॥ यायुधनयना नाक्षसहनमंशयीतानू
सवर्णकलालवदनं॥ ने॥ मन्नाधियतिल्लहितग्नमाश्वातावितामनदष्टक
वदना॥ वा॥ रूनाधियतिनिहकनमंशकाधवदनंहरितनीलासा॥ ॐ॥
द्वादशीनंमहाकाधवदनंशुक्रियादिदवीजालिर्मेदाश्चीवकसम्बन्धदग्ग
वन्ति॥ गीतकल्लिमा॥ ५०२॥ ॥ रमागकर्हदिगतात्रय॥ विहजावाययिय
गिनीदकवात्रि२कमलकल्लिमाघशुक्रनक्षत्रविहारा॥ ॥ यागिनीशुक्रवि

१६ विजयसिंह २०

द्रुतनद्रुतजीवयोश्चानामहवृत्तिय कमलनसयिवसि॥ ॥ कथयद्रुथागिः
नीलयनजायिश्चमसिकलवहियानादियानसमानव ॥ सासुहयसघात
कृन्वियदात्राश्चदसूर्येक्षययक्षैराहज ॥ ॥ रतयिगुंदनिष्पाद्रुद्रुवीना
श्चनयनालिमाशुउत्तयउवीनाया ॥ १६०० ॥ सययुजाकु ॥ एवागकामाउ ॥ मानव
दंगाना ॥ हंविजससुवत्वसमदहानवरसद्यतिंगतलक्षायवाश्चादगसुजावदवद
नंदादभावर्जलनकननं ॥ ॥ नमामिगीतिवकयमासनसरवरुयहर्ग ॥

१७ विजयसिंह २०

॥ दनुर्विगतियी १० धनद्रुतीभावोनवीनश्चराश्चकुश्चकयनिवृत्तादवी
संयुतेयकालितस्तिगां ॥ ॥ यरुसंयुटशालिकालिखदाकामश्रुतिसुदवा
श्चादगदमीनकनावानमासिवकसंनयाया ॥ ॥ मानगुनूननसमिश्रंगतध
नियात्तनयिगीतगीकूलिमाश्चानयतित्रमनाहयसयमधुलश्रावाधिया ॥ १६१० ॥
एवागनाट ॥ मानकति ॥ सकलजगत्तगुनसमववीनाश्चनयमकनूयकवितसूय
विला ॥ ॥ ॥ सम्यवश्चून्मयिनायंश्चिविविधिविकल्पविनाशननूय ॥ ॥

१६१० ॥

३२ श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

अथवा ३३

कथं नर नयिता धारा शराधनीला वल्लवचि न कला भव मधुलरु वलीना ॥
 शिखंधव्या कवशुदितान सधन यशिमयिषून्य रक्षना शरुमवीलादि नवजवाः
 नाही रुक्मविद्रुदलन भगुधना ॥ ॥ रावकिलिलालवज्जुलियाडन मकगु
 नूनवलयानाध २ समया आनद सुलितान मधुल सधन वज्जवा नाही ॥ ॥ ॥ ॥
 २ नागय २ ॥ रात्र ॥ ऊयं वाळलि हनूवद्य नली २ सय सुना सय जग कड ३
 दानली ॥ ॥ नर रावती यादु कमल महिमधुल मय नानं मूनं वा ना २ हा ३

८ क्रि त व न इ न नि ३ ८

मालाकारुनसविहसिनमालनद्यधुलालासिदीशिदीनिसयनसिसिदिदि
नयना॥ ॥करटिलथेराशीवत्रुदनमधिनमाला॥ककसद्वारावमम
ककडा॥ ॥मिनसिसिद्वनकऊनसूना॥कसुनिकथूनसाधनसूनसान॥
॥रुनयिसूनरावजवावुलिदासा॥शीवजदवीयसादशीहत्रवनाया॥
॥रागवसक्त॥गान॥जिनवमजननीयसाधनमन॥विवाशयिसमनेसंद
दालिंरागा॥ ॥नीलेशुहसनायशृङ्गाभनसंयुक्त॥राधमालिजसआनदन

वनशक्रसुनविलयनदहधनुः ॥ ॥ सावविभूक्तविलयगुणकूटयि २ नमः ॥

कमललीलाशनिर्मलदयावक्त्राथितप्रहितिदिलेखवदन्मयसाधनाया

अक्षयनिर्गुन ३०

निम्न ४२

[illegible]

बोमबेन ठे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

सर्वद्वय

[illegible]

अवनिनिहितवाम ४७

॥ कालिखय्यमानवृदनी मृकठकमीदिगम्बना २ मृगुमालखदाक्षमादि
 कर्त्तलोकिद्वारयंकनी ॥ ॥ शुक्रदवीजिननृकृष्णका सयनविश्ववियायि
 ना २ गुंश्वनरहाडिनंध्रिया अवधूवक ह्यामावधिया ॥ ॥ १ ॥ नागका
 माद ॥ नागवद्वक्षान ॥ अवनिनिहितावामजान् शुक्रकिरलमा न संवाभा २ नागद्वय
 माहवद्विभयाभा किमुवननाया अवलवीना ॥ ॥ २ ॥ नागमिषीवदमहानायाया
 नमृगुसयवृदिना २ विश्वनाथविश्वयायितवीनविक्रममहाकाधनाया ॥ ॥

दवदिगम्बना ४८

अनिरीयताद उ डेयवडा डडकलावविद्वनिकि नदा २ यीठिक अधवाककवन
 यता वेत्रिसंवाभा नायद्वगनमा ॥ ॥ माधवमायायूनद नवका नूदयिमावाय
 दारुला २ समनसमाया नागविमाहा हाननायसा नमाहितदहा ॥ ॥ नलारवमा
 यकालिनमालि कयूननोयुगुर्नंगुर्नका ना २ सुवनननागवदितव नलनायसूनश्व
 नअवलवीना ॥ ॥ १ ॥ नागसेनवीनातान ॥ दवदिगम्बलधवलकीलेलिग
 ऊवमविद्विषितनावयि २ समरुजनयनधनवक्ते नवकालि मणीतलवाययिषरा

(संस्कृतश्रीमद्) (सर्वोपनिषद्) २०
सर्वोपनिषद्

मासिद्धं काना ॥ ५ ॥ ७० ॥ रादा मञ्जुल नाया सर्वला क क नू ॥ माय द ह २
ऊ न्न ऊ न्न ऊ न्न ऊ न्न ऊ न्न ॥ ॥ सह जा ध न्न म य ग न्न म न्न न्न न्न वि रु व न्न क
मि त ना च यि श्य व ह्न न वि का य व क व हि न्न द न द र्क य वि घ्न वि ना ध न्न य द मा मि
द्धं काना ॥ ॥ य ल य न ल नी ल क ल क ल न्न सह ऊ गु ल न्न आ मि नू य आ न द
मू न्न नि श्य न्न ऊ न्न व र्क य द र्क य वि ना ध न्न य द मा मि द्धं काना ॥ ॥ नू द न्न न मि
न मा लालं क न्न न्न नू धि ना नू ल न दि ग मि म उ ला श्य मि द न धी व र्क स त्व य न
म श्व न य द मा मि द्धं काना ॥ ॥ ७० ॥ रादा मञ्जुल नाया सर्वला क क नू ॥ माय द ह २

विकालस्थलियाडलागिपिकालरसाधेनिनृयमयूदनयूजिकजिमजलवमल
माया॥ ॥ हूं रुज रुव रुक वल मयि याने साहि वलियाने श्वक मृतनर
कलिगडज्ञानलाकृदहनयं वशा न॥ ॥ उं आ ४ हूं रुट कलियवल विषमम
यनविमगि याने श्वनराहूलमसंज्ञान अद्वय महाकनूहते॥ ॥ ॐ ह्यः
मयज्ञानरुतवक्तिवायवमाज्ञाने श्वदृश्य दयिकधननात्रयाताल अष्टनाग
॥ ॥ ॐ दवल जिघां रुल धूयमा असाहियाने श्वानि क्षारुहृदकधनं
दानयमिन सर्वकार्य साधन॥ ॥ कर्हयावलि अथि याने बालिमाननयन

पुस्तक संख्या २२

मा न श्रमा जा दान य नि स्या निया ल न स य न स त्व आ य श्राना य ॥ ८६०३० ॥ नागः
मल ग्री ॥ पदु मति नु वि वर्कः अह मा गृ न्म स व न र ता म वि ता न दि म ति स
व स च दि ता व ॥ ॥ मा क नू त्ता वि अ च्छ द दि प द मा दा दि गृ न न र मा मा
मू द नू द ॥ सा द नू डि व वि दू न ॥ ॥ कि स गृ द नि वि दा दि स गृ न दि व
प्र मि य नू स र ता म वि नि म क रा क नि अ य लु अ म लु अ च्छ नू ला अ अ ला य ॥
॥ यो र व न म च्छि उ पा ख य नि सृ न गृ न न र उ रि नू म हा व व ल अ क न
दि रु न म मा मि ति ॥ ८६०३० ॥ ८६०३० ॥

ASHA ARCHIVES

गुणगोपनीयं

2871

पुस्तक संख्या ० ॥

(मा ग रे न दि ता न स य नि ध र्मा ग
(मा ग र व र ति ता उ क त ति अ नि
(मि त ला द न ला य न व क य जा

उ वि ति ॥ २३

मा ग गृ उ मा दा न नि स य व न वि ना स्य क थि २३० र स
म गृ ल ला य ॥ ॥ न र्ज क र म न र ग क नि क मि या नि
य वा अ मि य अ मि य नि न र न द म र म र ड म न दि नि यो डि न र
व य यि स वा ३ ॥ न व उ यो गी नी न न म ला २ व र न व दि अ
लिं गी न का ल ॥ ३ ॥ ३० र रु ला अ क न ध क वा नि र यो
२ अ लिं ग नू नि ला व र्ण वा नि ॥ य ॥ ८६०३० ॥ ८६०३० ॥
सं य अ म व र्ज य र म ना न थ य द श व न यो डि ना यि ता स र व र ग क म ना व थ
य द स र्व न गा ना नि नी पि त्वा स र व वि क ल्य मो ह क र र्ण डु कि नी हे र का
दि ना यः व क य